(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) The new industrial policy applies to fertilizer industry also.

(b) In view of reply at (a) above, question does not arise.

Coal based urea production units

1216. SHRI S. K. T. RAMACHANDRAN : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether the coal based urea production units in Ramagundam and Talcher are economically viable; and

(b) what steps are taken to utilise or dispose of the inventories and machineries lying idle in Korba stored for the use of the yet to commission Fertilizer Production unit as the construction work of the proposed Fertilizer Production unit there has not so far started ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) No, Sir.

(b) Fertilizer Corporation of India Ltd. (FCI) would like to utilise some of the machinery/equipment procured for their Korba Project in their other Plants and dispose off the remaining.

Import of Fertiizer

1217. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) what is the total quantity of fertilizer imported after deregulation of phosphorous and potassium fertilizers; and

(b) the names of importing agencies and what is the landed cost of such fertilizers ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) The quantities of fertilizers imported on Government account after the decontrol of phosphatic and potassic fertilizers and their C&F value are given below :—

	Quantity in (Lakh MTs.)	C&F value (Rs. crores)
UREA	11.2	452.28
NPK	0.36	19.59
SOP	0.05	2.85
MOP	5.87	219.41
DAP	1.78	84.32
Total :	19.08	778.45

All the above imports were made by the Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited, who are the canalising agency for fertilizers. The import of DAP was, however, decanalised with effect from 17-9-92 and after this date private parties have been free to import this item.

बिहार में रासायनिक और उर्वरक उद्योग

1218. **श्री गया सिंह** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में रसायन और उर्वरक उद्योग कितने हैं तथा उनकी उत्पादन क्षमता कितनी है; और

(ख) इस राज्य में उर्वरकों की वार्षिक आवश्यकता कितनी है तथा मांग और आपूर्ति के अंतराल को किस प्रकार भरा जाएगा?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फलेरिओ) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार बिहार में रसायन क्षेत्र में चार कम्पनियों को औद्योगिक लाइसेंस जारी

किए गए हैं । कम्पनियों के नाम शामिल उत्पाद तथा क्षमताएं नीचे दर्शाई गई हैं :—

क्र० स०	कम्पनी का नाम	उत्पाद	मीट्रिक टनों में स्थापित क्षमत में (प्रति वर्ष)
1.	मै० धनबाद केमिकल प्रा० लि०	एनीलाइन	3600
		नाइट्रोबेंजेन	6000
2.	मै० सैण्डर्सन इंडस्ट्रीज लि०	ओलीयम	13200
		लिक्विड	1500
		सल्फर	
		डाई-आक्साइड	
3.	मै० ए०बी०सी० प्रोडक्ट्स लि०	होट टोप्स	500
		स्लीव्स	1000
		नान फेरस एलोएस	15200
4.	मै० बिहार कास्टिक एण्ड केमिकल लि०	कास्टिक सोडा	33000

बिहार में आठ कम्पनियां हैं जो उर्वरकों का उत्पादन करती हैं । उनके नाम विभिन्न उत्पाद तथा स्थापित क्षमताएं निम्नानुसार हैं :—

कम्पनी का नाम	उत्पाद	स्थापित क्षमता (प्रति टन) (000मी. टन)
1. एफ०सी०आई०–सिन्दरी	यूरिया	330.0
	अमोनियम सल्फेट	320.0
2. एच०एफ०सी०–बरौनी	यूरिया	330.0
3. सेल–बोकारो	अमोनियम सल्फेट	36.3
4. टिस्को–जमशेदपुर	अमोनियम सल्फेट	23.0
5. पी०पी०पी०एल०–अमझोर	एस०एस०पी०	264.0
6. श्रीकृष्णा फर्टिलाई जर्स	एस०एस०पी०	33.0
7. सूर्या फास्फेट्स	एस०एस०पी०	36.0
8. तूलसी फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स	एस०एस०पी०	33.0

(ख) 1991-92 के दौरान न्यूट्रिएन्टों के रूप में बिहार में उर्वरकों की खपत निम्नानुसार थी :—

	(000टन)
(1) नाइट्रोजन (एन)	426.82
(2) फास्फेट (पी)	129.89
(3) पोटाश (के)	46.98

फास्फेटिक तथा पोटाशिक उर्वरकों को अब नियंत्रणामुक्त कर दिया गया है तथा मांग की पूर्ति निजी व्यापार द्वारा की जाती है। नाइट्रोजनी उर्वरकों की आवश्यकताएं जिन पर मूल्य एवं संचालन नियंत्रण है, बिहार में स्थित इकाइयों के साथ-साथ अन्य इकाइयों तथा आयात द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम (ई सी ए) के अंतर्गत आबंटन द्वारा पूरी की जाती है ।